ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम ***विषय- हिन्दी***

दिनांक-26-12-2020 ***मत बाँटो इंसान को***

-विनय महाजन

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

मत बाँटो इंसान को

-विनय महाजन

प्रश्न-अभ्यास

1.लघु उत्तरीय प्रश्न :

(क) इंसान को बाँटने का क्या अर्थ है?

(ख) कविता के अनुसार उजियाला अभी कहाँ बंदी है?
~~~~~~~~~~

(ग)प्रस्तुत कविता में कवि ने क्या-क्या इच्छा व्यक्त की है?

2. सही विकल्प पर (✔)का निशान लगाइए :

(i) कवि किसको नहीं बाँटने के लिए कहा रहा है?

(क) मंदिर (ख)मस्जिद

(ग) गिरिजाघर (घ) इंसान

(ii) कवि ने क्या न होने पर संसार को 'जलते हुए रेगिस्तान' की तरह बताया है?

(क) इंसान (ख) प्यार

(ग) घृणा (घ) सूरज

(ii) कवि ने खिलती हुई बहार पर किसका हक बताया है?

(क) बगीचा (ख) पर्वत

(ग) उदास आँगन (घ) माली

(iv) प्यासी चट्टान को कवि क्या देना चाहता है?

(क) नदी का जल (ख) प्यार का जल

(ग) झरने का जल (घ) कुएँ का जल

3 .आशय स्पष्ट कीजिए : निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दें

"अभी प्यार का जल देना है

हर प्यासी चट्टान को।

धरती बाँटी सागर बाँटा

मत बाँटो इंसान को।।

(क) कवि के अनुसार क्या-क्या बँट चुका है?

(ख) चट्टानों की प्यास कैसे बुझाई जा सकती है?

(ग) 'धरती' और 'सागर' के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखें।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

(क) यह कविता हमें क्या संदेश देती है?

(ख) कविता के अनुसार अब तक किन चीजों का बँटवारा हो चुका है?

(ग) उजाले को बंदी बनाने का क्या अर्थ है?

(घ) हरी-भरी धरती को कौन-सी परिस्थितियाँ रेगिस्तान में बदल सकती हैं?

(ङ) भावार्थ समझाएँ-'अभी राह तो शुरू हुई है, मंज़िल बैठी दूर है।

5. नीचे लिखे विलोम शब्दों का सही मिलान कीजिए :

बाँटो

आरंभ

बंदी

उजाला

उदास

खिलना

आजाद

मुरझाना

अंत

खुश

जोड़ो/मिलाओ

अँधेरा

धन्यवाद

कुमारी पिंकी 'कुसुम'